भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं॰ 816
दिनांक 17.09.2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

आर्सेनिक से संदूषित जल

816. श्री गोपाल शेट्टीः

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पेयजल में आर्सेनिक संदूषण की रिपोर्ट करने वाले शहरों/कस्बों/क्षेत्रों में इस समस्या का समाधन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान इस समस्या के समाधन के लिए सरकार द्वारा क्या नीतिगत फैसले लिए गए हैं और इस संबंध में देशव्यापी जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ग) उन जिलों/कस्बों/शहरों/क्षेत्रों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है जो आर्सेनिक संदूषण की चपेट में हैं?

उत्तर
जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) भारत सरकार वर्ष 2024 तक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) के जरिए देश में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के लिए 3.60 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय के साथ राज्यों की भागीदारी में जल जीवन मिशन (जेजेएम) - हर घर जल का क्रियान्वयन कर रही है।

राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत निधियों का आबंटन करते समय आर्सेनिक सहित रसायनिक संदूषणों द्वारा प्रभावित जनसंख्या को 10% भारिक महत्व दिया जाता है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को गुणवत्ता-प्रभावित बसावटों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, राज्यों को जब तक नल कनेक्शन के माध्यम से पीने योग्य जल की आपूर्ति नहीं की जाती तब तक पीने और खाना बनाने संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के

लिए समुदायिक जल शुद्धिकरण संयंत्रों (सीडब्ल्यूपीपी) के जरिए गुणवत्ता-प्रभावित बसावटों में अंतरिम राहत भी प्रदान करनी है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आबंटन का 2% तक जल गुणवत्ता निगरानी और पर्यवेक्षण गतिविधियों (डब्ल्यूक्यूएमएण्डएस) अर्थात् जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण, फील्ड टेस्ट किटों (एफटीके) का उपयोग करके समुदाय द्वारा पर्यवेक्षण, जल गुणवत्ता संबंधी जागरूकता का सृजन और शैक्षिक कार्यक्रमों आदि के लिए उपयोग किया जा सकता है।

मार्च 2017 में, राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन (एनडब्ल्यूक्यूएसएम) की शुरूआत की गई थी (फिलहाल जल जीवन मिशन में शामिल) जिसका उद्देश्य देश में 27,544 आर्सेनिक/फ्लोराइड प्रभावित बसावटों के लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कहा है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 25 जून, 2015 को मिशन शहरों में आधारभूत शहरी अवसंरचना विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश भर में 500 चुनिंदा शहरों और कस्बों में अटल पुनर्जीवन और शहरी रूपांतरण मिशन (अमृत) की शुरूआत की गई थी जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ जल आपूर्ति शामिल है। इस मिशन का एक प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार के पास जल की सुनिश्चित आपूर्ति के साथ नल कनेक्शन हो और इसे सर्वश्रेष्ठ प्राथमिकता दी गई है। अमृत मिशन के अंतर्गत 77,640 करोड़ रुपए के कुल आयोजना आकार में से 39,010 करोड़ रुपए (50%) जल आपूर्ति के लिए आबंटित किए गए हैं।

(ग) आर्सेनिक-प्रभावित ग्रामीण बसावटों के जिला-वार ब्यौरे **अनुबंध** में दिए गए हैं।

*****

दिनांक 17.09.2020 को उत्तर दिए जाने हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 816 में उल्लिखित अनुबंध

आर्सेनिक-प्रभावित ग्रामीण बसावटों के जिला-वार ब्यौरे (14.09.2020 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य	जिला	आर्सेनिक प्रभावित बसावटें
1.	असम	बक्सा	703
2.	असम	बरपेटा	196
3.	असम	दारंग	15
4.	असम	धेमाजी	49
5.	असम	डुबरी	32
6.	असम	गोलाघाट	98
7.	असम	जोरहाट	91
8.	असम	कोकाराझार	4
9.	असम	लखीमपुर	1
10.	असम	मजूली	138
11.	असम	नलबरी	513
12.	असम	दक्षिण सलमारा मनछाछर	13
13.	बिहार	बेगुसराय	104
14.	बिहार	भागलपुर	32
15.	बिहार	भोजपुर	51
16.	बिहार	बक्सर	41
17.	बिहार	दरभंगा	14
18.	बिहार	कटिहार	51
19.	बिहार	खगड़िया	11
20.	बिहार	लखीसराय	33
21.	बिहार	मुंगेर	4
22.	बिहार	पटना	3
23.	बिहार	समस्तीपुर	10
24.	बिहार	सारन	11
25.	बिहार	वैशाली	40
26.	झारखंड	साहिबगंज	2
27.	पंजाब	अमृतसर	242
28.	पंजाब	फतेहगढ़ साहिब	1
29.	पंजाब	फाजलिका	2
30.	पंजाब	फिरोजपुर	28
31.	पंजाब	गुरदासपुर	179
32.	पंजाब	होशयारपुर	12
33.	पंजाब	कपूरथला	5
34.	पंजाब	लुधियाना	2

35.	पंजाब	मोगा	2
36.	पंजाब	पटियाला	15
37.	पंजाब	रूपनगर	28
38.	पंजाब	एसएएस नगर	2
39.	पंजाब	संगरूर	2
40.	पंजाब	तरण तारण	94
41.	उत्तर प्रदेश	आजमगढ़	2
42.	उत्तर प्रदेश	बहराईच	4
43.	उत्तर प्रदेश	बलिया	88
44.	उत्तर प्रदेश	बलरामपुर	1
45.	उत्तर प्रदेश	बरेली	10
46.	उत्तर प्रदेश	बस्ती	7
47.	उत्तर प्रदेश	बदायूँ	4
48.	उत्तर प्रदेश	देवरिया	5
49.	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	4
50.	उत्तर प्रदेश	कुशीनगर	16
51.	उत्तर प्रदेश	लखीमपुर खेरी	13
52.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	1
53.	उत्तर प्रदेश	महराजगंज	3
54.	उत्तर प्रदेश	मऊ	1
55.	उत्तर प्रदेश	संभल	1
56.	उत्तर प्रदेश	संत कबीर नगर	2
57.	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थ नगर	2
58.	पश्चिम बंगाल	बर्धमान	25
59.	पश्चिम बंगाल	हुगली	24
60.	पश्चिम बंगाल	मालदा	319
61.	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	369
62.	पश्चिम बंगाल	नाडिया	454
63.	पश्चिम बंगाल	नॉर्थ 24 परगना	185
64.	पश्चिम बंगाल	साउथ 24 परगना	7